Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

One Week Workshop on Econometrics for Research in Economics (Inaugural Session)

Newspaper: Amar Ujala **Date: 26-04-2022**

'आर्थिक विकास के लिए शोध व नवाचार महत्वपूर्ण'

महेंद्रगढ़। भारत के आर्थिक विकास में अर्थशास्त्र और इससे जुड़े विशेषज्ञों के योगदान का महत्व हमेशा से ही अहम रहा है। आज के समय में वैश्विक स्तर पर आर्थिक विकास को रफ्तार प्रदान करने के लिए आवश्यक है कि इस क्षेत्र में होने वाला अध्ययन कार्य समय की आवश्यकताओं के अनुरूप हो और इसके लिए शैक्षणिक स्तर पर शोध व नवाचार के क्षेत्र में विशेष प्रयास करने होंगे। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शुरू साप्ताहिक कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को व्यक्त किए। इकनोमेट्रिक्स फॉर रिसर्च इन इकनोमिक्स विषय पर पर केंद्रित इस कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर के पूर्व प्रो. गणेश कावडिया उपस्थित रहे। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र के अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति का परिचय स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट स्टडीज के अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने दिया और इस अवसर पर विश्वविद्यालय की शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 26-04-2022**

आर्थिक विकास के लिए शोध और नवाचार महत्वपूर्ण : टंकेश्वर कुमार

इकोनोमेट्रिक्स फार रिसर्च इन इकोनामिक्स विषय पर साप्ताहिक कार्यशाला

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: भारत के आर्थिक विकास में अर्थशास्त्र और इससे जुड़े विशेषज्ञों के योगदान का महत्व हमेशा से ही अहम रहा है। आज के समय में वैश्विक स्तर पर आर्थिक विकास को रफ्तार प्रदान करने के लिए आवश्यक है कि इस क्षेत्र में होने वाला अध्ययन कार्य समय की आवश्यकताओं के अनुरूप हो और इसके लिए शैक्षणिक स्तर पर शोध व नवाचार के क्षेत्र में विशेष प्रयास करने होंगे।

यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सोमवार से शुरू साप्ताहिक कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इकोनोमेट्रिक्स फॉर रिसर्च इन इकोनामिक्स विषय पर पर केंद्रित इस कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर के पूर्व प्रोफेसर गणेश कावडिया उपस्थित रहे।

हकेंवि में आयोजित कार्यशाला के विशेषज्ञ वक्ता प्रो. गणेश कावड़िया को शाल भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार • सौ. हकेंवि

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट स्टडीज के अंतर्गत आने वाले अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता प्रो. गणेश कावड़िया ने इकोनोमेट्रिक्स से संबंधित किताबें व व्यावहारिक पक्षों पर विस्तार से प्रकाश डाला और प्रतिभागियों को इसके महत्व से अवगत कराया। उन्होंने अपने संबोधन में विषय की महत्ता के साथ-साथ बदलते समय में आर्थिक विकास के लिए उसके महत्त्व पर भी विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम की शुरूआत में स्वागत भाषण कार्यशाला के निदेशक व विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रंजन अनेजा ने प्रस्तुत किया। इसके पश्चात विभाग के सहायक आचार्य व कार्यशाला के संयोजक डा. अजीत कुमार साहु ने इस आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की। आयोजन में मंच का संचालन सह-संयोजक व सहायक आचार्य डा. रश्मि तंवर ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन विभाग की सहायक आचार्य रेणु ने दिया। कार्यशाला निदेशक ने बताया कि आगामी 29 अप्रैल तक चलने वाली इस कार्यशाला में ऑनलाइन व आफलाइन माध्यम से देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों से 100 से अधिक प्रतिभागी सम्मिलित हो रहे हैं। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र के अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति का परिचय स्कूल आफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट स्टडीज के अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने दिया और इस अवसर पर विश्वविद्यालय की शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 26-04-2022**

आर्थिक विकास के लिए शोध व नवाचार महत्वपूर्ण: प्रो. टंकेश्वर

- इक्नोमेट्रिक्स फॉर रिसर्च इन इक्नोमिक्स विषय पर साप्ताहिक कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। प्रो. गणेश कावडिया को शॉल भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर।

भारत के आर्थिक विकास में अर्थशास्त्र और इससे जुड़े विशेषज्ञों के योगदान का महत्व हमेशा से ही अहम रहा है। आज के समय में वैश्विक स्तर पर आर्थिक विकास को रफ्तार प्रदान करने के लिए आवश्यक है कि इस क्षेत्र में होने वाला अध्ययन कार्य समय की आवश्यकताओं के अनुरूप हो और इसके लिए शैक्षणिक स्तर पर शोध व नवाचार के क्षेत्र में विशेष प्रयास करने होंगे। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने सोमवार से शुरू साप्ताहिक कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इक्नोमेट्रिक्स फॉर रिसर्च इन इक्नोमिक्स विषय पर केंद्रित इस कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर के पूर्व प्रोफेसर गणेश कावड़िया उपस्थित रहे। छात्रों ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 26-04-2022**

आर्थिक विकास के लिए शोध व नवाचार महत्त्वपूर्ण: प्रो. टंकेश्वर कुमार

■ इकोनोमैट्रिक्स फॉर रिसर्च इन इकोनॉमिक्स विषय पर साप्ताहिक कार्यशाला का शुभारम्भ

हकेंवि में आयोजित कार्यशाला के विशेषज्ञ वक्ता प्रो. गणेश कावड़िया को शॉल भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

महेंद्रगढ़, 25 अप्रैल (परमजीत, मोहन): भारत के आर्थिक विकास में अर्थशास्त्र और इससे जुड़े विशेषज्ञों के योगदान का महत्व हमेशा से ही अहम रहा है।

आज के समय में वैश्विक स्तर पर आर्थिक विकास को रफ्तार प्रदान करने के लिए आवश्यक है कि इस क्षेत्र में होने वाला अध्ययन कार्य समय की आवश्यकताओं के अनुरूप हो और इसके लिए शैक्षणिक स्तर पर शोध व नवाचार के क्षेत्र में विशेष प्रयास करने होंगे।

यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सोमवार से शुरू साप्ताहिक कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इकोनोमैट्रिक्स फॉर रिसर्च इन इकोनॉमिक्स विषय पर केंद्रित इस कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर के पूर्व प्रो. गणेश कावड़िया उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बिजनैस एंड मैनेजमैंट स्टडीज के अंतर्गत आने वाले अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता प्रो. गणेश कावड़िया ने इकोनोमैट्रिक्स से संबंधित किताबें व व्यावहारिक पक्षों पर विस्तार से प्रकाश डाला और प्रतिभागियों को इसके महत्व से अवगत करवाया। उन्होंने अपने संबोधन में विषय की महत्ता के साथ-साथ बदलते समय में आर्थिक विकास हेतु उसके महत्व पर भी विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम की शुरूआत में स्वागत भाषण कार्यशाला के निदेशक व विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रंजन अनेजा ने प्रस्तुत किया। इसके पश्चात विभाग के सहायक आचार्य व कार्यशाला के संयोजक डॉ. अजीत कुमार साहु ने इस आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की। आयोजन में मंच का संचालन सह-संयोजक व सहायक आचार्य डॉ. रश्मि तंवर ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन विभाग की सहायक आचार्य रेणु ने दिया।

कार्यशाला निदेशक ने बताया कि 29 अप्रैल तक चलने वाली इस कार्यशाला में ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों से 100 से अधिक प्रतिभागी सम्मिलित हो रहे हैं।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र के अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति का परिचय स्कूल ऑफ बिजनैस एंड मैनेजमैंट स्टडीज के अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने दिया और इस अवसर पर विश्वविद्यालय की शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।